ये अव्यक्त इशारे

परोपकार की भावना से सम्पन्न बन अपकारी पर भी उपकार करो

25-10-2026

कोई रोज़ आपकी ग्लानि करे, वो सदा अकल्याण करे, आप उससे किनारा करने के बजाए उसका भी कल्याण करते रहो, यही आप ज्ञानी तू आत्मा का कर्तव्य है। जैसे बाप की महिमा में विशेष रहमदिल का गुण गाया जाता है। चाहे देश में, चाहे विदेश में बाप के आगे जायेंगे तो रहमदिल, मर्सीफुल कहेंगे। तो आप सभी भी मास्टर रहमदिल हो। ऐसे रहमदिल बन सब पर उपकार करो।

Embrace the spirit of uplifting others and uplift those who have defamed you.

Instead of stepping away from those who defame you daily or cause you a loss, continue to benefit them. This is the duty of you enlightened souls. The Father is praised because of His special virtue of being merciful. When you see images of the Father, either in this land or abroad, He is portrayed as the Merciful One. Therefore, all of you are master merciful. Therefore, become merciful and uplift everyone